Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 22-05-2006

Participants : Rana Shri Kashi Ram

an>

Title : Need to ensure that derogatory remarks made against late Sardar Patel in the History book prescribed in Delhi University are expunged.

श्री काशीराम राणा (सूरत) : महोदय, माननीय लौह पुरूा सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने भारत के लिए जो कार्य किये हैं मेरे हिसाब से वैसा कार्य किसी ने भी भारत के लिए नहीं किया है। जब देश आजाद हुआ था तो देश के कइ हिस्सों में छोटे मोटे रजवाडे भारत में शामिल नहीं होना चाहते थे और कश्मीर जो भारत के साथ है, वह माननीय सरदार वल्लभभाई पटेल के कारण है इस देश को इतना बड़ा विशाल बनाने एवं सभी धर्मो को अपना स्वतंत्र अस्तित्व देने में और सभी धर्मो को आदर दिलवाने में जो भूमिका सरदार पटेल जी ने निभाइ वह उल्लेखनीय और कभी भी नहीं भूलने वाली है। भारत सरकार की लापरवाही से दिल्ली विश्वविद्यालय की एक पाठ्य पुस्तक में सरदार वल्लभभाई पटेल जी को साम्प्रदायिक बताया हुआ है जिसके कारण इस भारत को एक करने वाले लोगों की भावना को ठेस पहूंची है और गुजरात के लोगों को आघात पहूंचा है। देश की आजादी दिलाने वाले महात्मा गांधी और देश को एक करने वाले सरदार पटेल गुजरात में ही जन्में हैं इससे गुजरात के दिल को धक्का पहुंचा है।

सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इस पुस्तक में इस तरह की टिप्पणी को तत्काल हटाया जाये और इसके लिए सरकार को माफी मांगनी चाहिए जिससे इस देश को एक रखने वाले लोगों की भावना को प्रोत्साहन मिले।